जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

31 मई 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस - 2024 मनाया गया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के दंत चिकित्सा संकाय द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस - 2024 के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । तंबाकू के इस्तेमाल के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और व्यक्तियों तथा समुदायों को तंबाकू नियंत्रण की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रति वर्ष 31 मई को 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस'मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा इस वर्ष घोषित विश्व तंबाकू निषेध दिवस का विषय "बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना" है।

दंत चिकित्सा संकाय में आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और उनके परिवारों को तंबाकू सेवन के सुष्प्रभाव के बारे में सूचित करते हुए शिक्षित करना और सशक्त बनाना था ताकि वे इसके इस्तेमाल के बारे में निर्णय लेते समय सोच सके और धूम्रपान मुक्त वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके । सभी कार्यक्रमों में मरीजों सहित छात्रों की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्ज़ की गई।

इस दिवस को मनाने के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

1. स्लोगन लेखन प्रतियोगिता: दिनांक 28 मई 2024 को "बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना"विषय पर एक स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजन किया गया । बीडीएस प्रथम वर्ष के 12 छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी के प्रो. मंदीप कौर, प्रो. वीरेंद्र गोम्बरा एवं डॉ. रहनुमा मसूद द्वारा किया गया । इस प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया और तंबाकू छोड़ने के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए स्लोगन लिखे। प्रतियोगिता में प्रो. आशु भारद्वाज और प्रो. अनुराधा शर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई ।

2. पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता: ओरल पैथोलॉजी संकाय सदस्यों, प्रो. वचला रानी आरएम और डॉ. युसरा खान द्वारा एक सृजनात्मक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू भाषा में बनाए गए जिसका मुख्य उद्देश्य दंत चिकित्सा संकाय में आने वाले रोगियों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. सरनजीत सिंह भसीन और डॉ. शाज़िना मुज़म्मिल रहे ।

3. स्वास्थ्य शिक्षा सत्र: दंत चिकित्सा संकाय के प्रशिक्षुओं द्वारा संकाय में आने वाली आम जनता हेतु तंबाकू सेवन और धूम्रपान के दुष्प्रभावों के बारे में एक स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया । तंबाकू निषेध दिवस के विषय को ध्यान में रखते हुए वार्ता में विशेष रूप से बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच तम्बाकू के खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री

के संकाय सदस्य प्रो. अभिषेक मेहता और डॉ. बुशरा अहमद करीम द्वारा स्वास्थ्य वार्ता सत्र का समन्वयन किया गया ।

4. तम्बाकू विरोधी शपथ: तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक जिम्मेदारी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, बीडीएस के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा तम्बाकू विरोधी शपथ ली गई। प्रो.अभिषेक मेहता द्वारा दंत चिकित्सा संकाय में अपने दंत उपचार के लिए आने वाले सभी बच्चों और अभिभावकों को भी शपथ दिलाई गई।

5. बच्चों हेतु चित्रकला प्रतियोगिता: विषय को और सुदृढ़ करने तथा तम्बाकू उद्योग किस प्रकार युवा मन को प्रभावित करता है, इसके बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 6 से 13 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रो. अमीना सुल्ता, प्रो. विवेक मेहता और डॉ. मरियम सिद्दीकी द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

6. जागरूकता सर्वेक्षण: 11 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए डॉ. पंचाली बत्रा और डॉ. तबस्सुम द्वारा एक सर्वेक्षण किया गया जिससे तम्बाकू, विशेष रूप से स्मोकलेस तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में बच्चों के ज्ञान का अनुमान लगाया जा सके क्योंकि भारत में मुख-रोगों का सबसे बड़ा कारण स्मोकलेस तम्बाकू है ।

दंत चिकित्सा संकाय की डीन प्रो. केया सरकार द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरित किए गए। प्रो. केया सरकार ने आम जनता और बीडीएस प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के छात्रों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि हममें से प्रत्येक के लिए तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक होना एवं बच्चों को तम्बाकू उद्योग के दुष्प्रभाव से बचाने में हमेशा सक्रिय रहना महत्वपूर्ण है। मशहूर हस्तियों द्वारा छद्म विज्ञापन अभियान के सहारे नाबालिगों को तम्बाकू उत्पादों की बिक्री जैसी विभिन्न गतिविधियाँ चलती हैं जो कम उम्र में बच्चों को तम्बाकू उत्पादों का सेवन करने के लिए प्रेरित करती हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि ऐसे दिवसों को जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सभी शैक्षणिक संस्थानों में मनाया जाए जिससे भविष्य के स्वास्थ्य पेशेवर तम्बाकू की लत को कम करने में अपनी भूमिका और जिम्मेदारी को समझ सकें।

प्रो. अभिषेक मेहता, प्रो.अमीना सुल्तान, प्रो.मनदीप कौर, प्रो. पंचाली बत्रा और प्रो. वचला रानी इस कार्यक्रम के समन्वयक थे।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया